मैनू वृंदावन रखलै मेरे ठाकुरा

धुन : तूतक तूतक तूतियां..

मैनू वृंदावन रखलै, मेरे ठाकुरा
कदी मेरे वल तकलै, मेरे ठाकुरा

1. तू ठाकुर हैं मालिक जग दा, तेरी बल्ले बल्ले
   मैं कुचजी औगनहारी, कुज नई मेरे पल्ले
   मेरे औगना नू ढकलै, मेरे ठाकुरा...

2. देख लइ एह दुनियादारी, मतलब दे सब बंदे
   धर्म कर्म ना पुछदा कोई, माया दे सब धंधे
   मैं निमाणी मैनू तकलै, मेरे ठकुरा...

3. लगन तेरी विच मगन मैं रेहंदी, प्रीत तेरे नाल लाई
   दुनिया ने ठुकराया मैनू, तू वीं ना ठुकरायीं
   मेरी लाज तू रखलै, मेरे ठाकुरा...

4. जिवें किवें मैनू रखलै दर ते, करां चाकरी तेरी
   मैं मेरी भुल जाए मधुप नू, करे ओह तेरी तेरी
   मैनू चरणा च रखलै, मेरे ठकुरा...

नोट : सर्वाधिकार लेखक द्वारा सुरक्षित, भजन से किसी भी प्रकार की छेड़ छाड़ या शब्दों की अदला बदली करना सख्त वर्जित है।

कवि : सुप्रसिद्ध लेखक एवं संकीर्तनाचार्य श्री केवल कृष्ण 'मधुप' (मधुप हरि जी महाराज) अमृतसर (9814668946)
स्वर : सर्व मोहन (टीनू सिंह)

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35088/title/mainu-vrindavan-rakh-lai-mere-thakura

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |